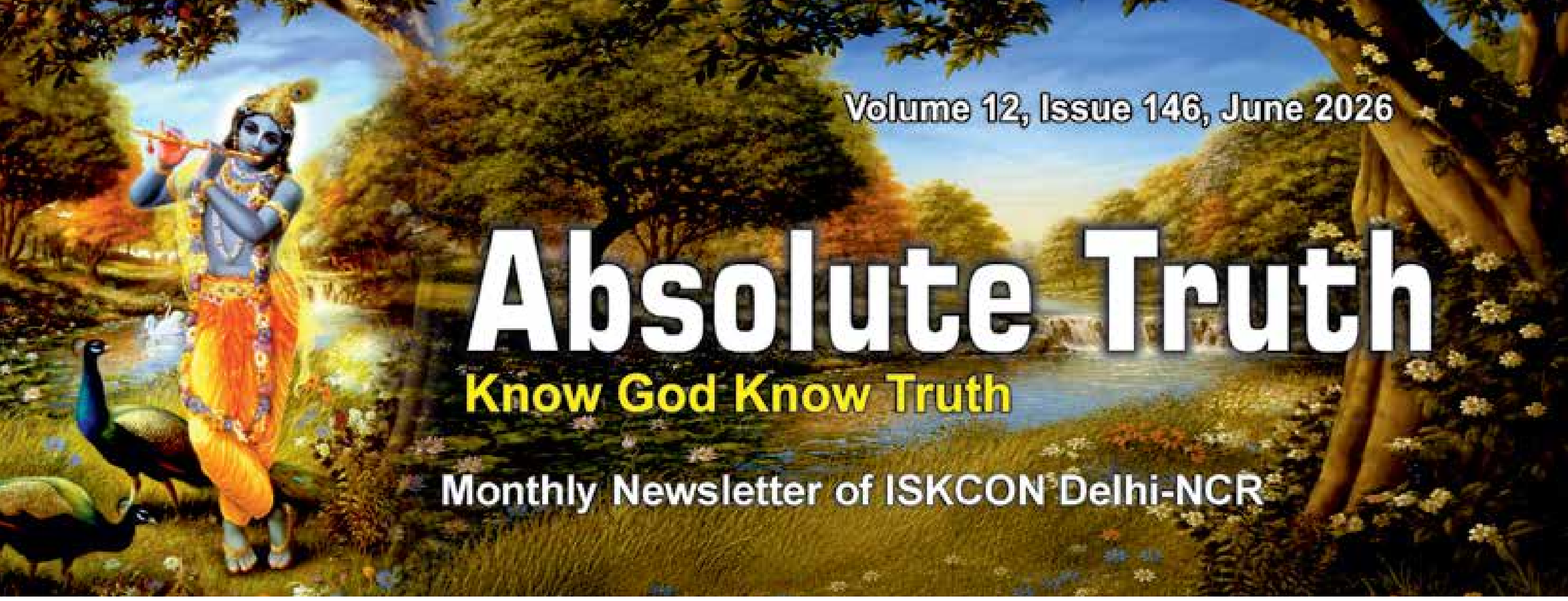

Volume 12, Issue 146, June 2026

Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR

News

Nepal Yatra — A Journey Through Sacred Dhams
(2nd – 9th May)
(ISKCON, Punjabi Bagh)

A group of 37 devotees undertook a spiritually uplifting yatra to the holy dhamas of Nepal. The pilgrims visited sacred sites associated with Lord Siva, including Sri Muktinath and Sri Pashupatinath, renowned for their spiritual significance. The yatra also included visits to temples in Kathmandu and Pokhara, as well as sacred places in Janakpur such as Janaki Mandir, Dhanush Dhama, and Rama Janaki Vivaha Mandap. Filled with kirtan, prasadam, spiritual discussions, and warm devotee association, the pilgrimage provided a deeply enriching experience and left participants with cherished spiritual memories.

समाचार

नेपाल यात्रा — पवित्र धामों की आध्यात्मिक यात्रा (2 – 9 मई)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

37 श्रद्धालुओं के एक समूह ने नेपाल के पवित्र धामों की आध्यात्मिक यात्रा की। यात्रियों ने भगवान् शिव से सम्बद्ध अनेक पावन तीर्थस्थलों का दर्शन किया, जिनमें श्री मुक्तिनाथ तथा श्री पशुपतिनाथ प्रमुख हैं, जो अपनी महान आध्यात्मिक महत्ता के लिए विख्यात हैं। इस यात्रा में काठमांडू और पोखरा के मंदिरों के साथ-साथ जनकपुर के पवित्र स्थानों जैसे जानकी मंदिर, धनुष-धाम और श्री राम जानकी विवाह मंडप का भी दर्शन शामिल था। कीर्तन, प्रसाद-सेवन, आध्यात्मिक विचार-विमर्श तथा भक्तों के सौहार्दपूर्ण सत्संग से परिपूर्ण इस तीर्थयात्रा ने सभी सहभागियों को गहन आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान की तथा उनके हृदयों में अविस्मरणीय आध्यात्मिक स्मृतियाँ अंकित कर दीं।

व्यास-पूजा (9 मई)
(इस्कॉन, द्वारका)

परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज के द्वितीय व्यास-पूजा महोत्सव का आयोजन अत्यन्त श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह का शुभारम्भ गौ-पूजा से हुआ, जिसके पश्चात् दर्शन-आरती, गुरु-पूजा तथा श्रीमद्भागवत-कथा का आयोजन किया गया। भक्तों ने महाराज के श्रीचरणों में अपनी हार्दिक स्तुतियाँ, प्रार्थनाएँ तथा कृतज्ञता निवेदित कीं। महाराज ने भी प्रेरणादायक प्रवचन प्रदान कर उपस्थित भक्तों के आध्यात्मिक जीवन में नवचेतना का संचार किया। कार्यक्रम में गीता अकादमी द्वारा एक सांस्कृतिक नाट्य-प्रस्तुति भी प्रस्तुत

Vyasa Puja (9th May)
(ISKCON, Dwarka)

Devotees gathered to celebrate the auspicious 2nd Vyasa Puja Mahotsava of H.H. Bhakti Ashraya Vaishnava Swami Maharaja with great devotion and enthusiasm. The celebration began with Gau Puja, followed by Darshan Arati, Guru Puja, and a Srimad-Bhagavatam class. Devotees offered heartfelt glorifications, prayers, and expressions of gratitude to Maharaja, while he reciprocated by delivering an inspiring lecture that spiritually uplifted the congregation. The program also featured a cultural drama presentation by Gita Academy, adding to the festive atmosphere. The celebration concluded with the distribution of sumptuous feast prasadam, leaving devotees spiritually nourished and joyful.

Brick by Brick: A Historic Temple Laying Ceremony
(ISCKON, Punjabi Bagh)

As part of the ongoing temple expansion project, a first-of-its-kind five-day "Temple Brick Laying Ceremony" was organized on 2nd, 3rd, 16th, 17th, and 24th May. The initiative invited congregation members, guests, well-wishers, and donors to personally participate in the construction of the new temple by laying a brick within the structure itself. Each brick was lovingly inscribed with the names of participating devotees and their family members, creating a deeply personal connection with the project. Over 2,000 such inscribed bricks were placed during the ceremony, making the event a remarkable success and allowing many to become directly involved in the service of temple construction. Many visitors were inspired to support the project through donations and future commitments. More than a ceremonial activity, the initiative became a heartfelt expression of collective devotional service and community participation.

Judicial Delegation from Bhutan Visits (10th May)
(ISKCON, East of Kailash)

A delegation of five prominent judges from Bhutan visited the temple and had a spiritually enriching experience. They took darshan of the Deities, offered arati, received books, and toured the Vedic Expo, where they were particularly impressed by the "Astounding Bhagavad Gita" exhibit. The judges expressed deep appreciation for ISKCON, its philosophy, and its efforts to present timeless spiritual wisdom in a relevant and engaging manner. One member of the delegation shared that he has begun reading the Bhagavad Gita, reflecting the lasting impact of the visit. Their appreciation and positive feedback made the occasion especially encouraging for the devotees, highlighting the universal appeal of Krishna consciousness across cultures and professions.

End of Tulasi Jala Dana (15th May)

The month long Tulasi Jala Dana ended on 15th May. Devotees offered prayers to Tulasi Devi, to accept their small offering of this service and grant them her blessings, so that they may make quick advancement on the spiritual path.

की गई, जिसने उत्सव की शोभा को और अधिक बढ़ाया। अंत में सभी भक्तों को स्वादिष्ट महाप्रसाद वितरित किया गया, जिससे वे आध्यात्मिक रूप से तृप्त एवं आनंदित हुए।

ईंट-ईंट से निर्मित होता भव्य ऐतिहासिक मन्दिर-शिलान्यास समारोह
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

चल रहे मन्दिर-विस्तार अभियान के अंतर्गत 2, 3, 16, 17 तथा 24 मई को पाँच दिवसीय "मन्दिर शिलान्यास समारोह" का आयोजन किया गया, जो अपने प्रकार का एक अद्वितीय आयोजन था। इस उपक्रम के माध्यम से भक्तमण्डली के सदस्यों, अतिथियों, शुभचिन्तकों तथा दानदाताओं को नवीन मन्दिर के निर्माण में प्रत्यक्ष सहभागिता का अवसर प्रदान किया गया। प्रत्येक सहभागी को मन्दिर की संरचना में स्वयं एक ईंट स्थापित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रत्येक ईंट पर सहभागी भक्तों तथा उनके परिवारजनों के नाम प्रेम पूर्वक अंकित किए गए, जिससे उनका इस दिव्य परियोजना के साथ एक अत्यन्त आत्मीय सम्बन्ध स्थापित हुआ। समारोह के दौरान 2,000 से अधिक ऐसी नामांकित ईंटों का स्थापन किया गया, जिससे यह आयोजन अत्यन्त सफल सिद्ध हुआ और असंख्य श्रद्धालुओं को मन्दिर-निर्माण की सेवा में प्रत्यक्ष रूप से सहभागी बनने का अवसर प्राप्त हुआ। अनेक आगन्तुक इस अभियान से प्रेरित होकर दान एवं भावी सहयोग-संकल्पों के माध्यम से परियोजना के समर्थन हेतु आगे आए। यह आयोजन केवल एक औपचारिक अनुष्ठान न होकर सामूहिक भक्ति-सेवा, समर्पण तथा सामाजिक सहभागिता की भावपूर्ण अभिव्यक्ति बन गया।

भूटान से न्यायिक प्रतिनिधिमंडल का दौरा (10 मई)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

भूटान के पाँच प्रमुख न्यायाधीशों का एक प्रतिनिधिमंडल मंदिर आया और उन्हें एक आध्यात्मिक रूप से समृद्ध अनुभव प्राप्त हुआ। उन्होंने राधा पार्थसारथी, गौर निताई, सीता राम लक्ष्मण हनुमान, लक्ष्मी नरसिंह प्रह्लाद महाराज और श्रील प्रभुपाद के दर्शन किए। उन्होंने आरती की, पुस्तकें प्राप्त कीं, और वैदिक एक्सपो का भ्रमण किया, जहाँ वे विशेष रूप से ɿअस्टाउंडिंग भगवद गीताɿ प्रदर्शनी से प्रभावित हुए। न्यायाधीशों ने इस्कॉन, उसके दर्शन और शाश्वत आध्यात्मिक ज्ञान को प्रासंगिक और आकर्षक तरीके से प्रस्तुत करने के उसके प्रयासों के प्रति गहरी सराहना व्यक्त की। प्रतिनिधिमंडल के एक सदस्य ने बताया कि उन्होंने भगवद गीता पढ़ना शुरू कर दिया है, जो इस दौरे के स्थायी प्रभाव को दर्शाता है। उनकी सराहना और सकारात्मक प्रतिक्रिया ने इस अवसर को भक्तों के लिए विशेष रूप से उत्साहवर्धक बना दिया, जो विभिन्न संस्कृतियों और व्यवसायों में कृष्ण चेतना की सार्वभौमिक अपील को उजागर करता है।

Special Lecture (14-17th May)
(ISKCON, Dwarka)

The devotees of ISKCON Dwarka received special mercy with the arrival of H.H. Bhaktivedanta Rukmini Krishna Goswami Maharaja. Maharaja graciously addressed the congregation with an inspiring discourse from Srimad Bhagavatam that deeply enlightened the devotees and significantly enhanced their spiritual interests and devotion.

Purushottama Masa (17th May to 15th June)

Every three years, an extra lunar month is added to harmonize the solar and lunar calendars. Although once neglected and referred to as Mala Masa, this sacred month was personally accepted by Lord Krishna, who bestowed upon it His own name and divine qualities, making it known as Purushottama Month. Glorified in the scriptures as especially auspicious for spiritual advancement and devotion, the month inspires devotees to increase their devotional practices and deepen their relationship with the Lord. Many devotees undertake special vows during this period, including daily recitation of the 15th Chapter of Bhagavad-gita, offering ghee lamps to the deities, bathing in holy rivers, and engaging in additional acts of devotion. Through these practices, devotees seek to gain spiritual strength, purification, and renewed momentum in their journey of bhakti.

Senior Devotees Visit
(ISKCON, East of Kailash)

The special month of Purusottama was further sanctified by the visits of several senior devotees. Among them was H.G. Devakinandana Prabhu from ISKCON Juhu, an active GBC member known for his extensive leadership and preaching services. H.G. Radheshyam Prabhu from ISKCON Pune also visited, widely appreciated for his inspiring teachings, literary contributions, and efforts in spiritual outreach. Although their visits were brief, devotees felt blessed to receive their darshan. The presence of such exalted Vaishnavas added to the spiritual atmosphere and served as an auspicious reminder of the strength and unity of the worldwide devotional community.

तुलसी जलदान का समापन (15 मई)

मासपर्यन्त चलने वाले तुलसी जलदान अनुष्ठान का समापन 15 मई को हुआ। भक्तों ने श्री तुलसी देवी से प्रार्थना की, कि वे उनकी इस लघु सेवा-भेंट को स्वीकार करें तथा उनको अपनी कृपा एवं आशीर्वाद प्रदान करें, जिससे कि वे आध्यात्मिक पथ पर शीघ्र प्रगति कर सकें।

विशेष प्रवचन (14–17 मई)
(इस्कॉन, द्वारका)

इस्कॉन द्वारका के भक्तों को उस समय परम सौभाग्य की प्राप्ति हुई जब परम पूज्य भक्तिवेदान्त रुक्मिणी कृष्ण गोस्वामी महाराज का आगमन हुआ। महाराज ने अपनी करुणा से भक्तसमाज को श्रीमद्भागवतम् पर आधारित प्रेरणादायक प्रवचन प्रदान किया, जिसने भक्तों के हृदयों को गहन रूप से आलोकित किया तथा उनकी आध्यात्मिक रुचि एवं भक्ति-भाव को उल्लेखनीय रूप से संवर्धित किया।

पुरुषोत्तम मास (17 मई से 15 जून)

प्रत्येक तीन वर्ष में सौर तथा चन्द्र पंचांगों के सामंजस्य हेतु एक अतिरिक्त चन्द्रमास जोड़ा जाता है। यद्यपि पूर्वकाल में इसकी उपेक्षा की जाती थी और इसे मलमास कहा जाता था, तथापि भगवान् श्रीकृष्ण ने इस पवित्र मास को स्वयं स्वीकार कर इसे अपना नाम तथा दिव्य गुण प्रदान किए, जिसके फलस्वरूप यह पुरुषोत्तम मास के नाम से विख्यात हुआ। शास्त्रों में इस मास का विशेष रूप से आध्यात्मिक उन्नति तथा भगवद्भक्ति के लिए अत्यन्त शुभ एवं कल्याणकारी काल के रूप में गुणगान किया गया है। यह मास भक्तों को अपनी भक्ति-साधनाओं में वृद्धि करने तथा भगवान् के साथ अपने संबंध को और अधिक गहन बनाने की प्रेरणा देता है। इस अवधि में अनेक भक्त विशेष व्रतों का पालन करते हैं, जिनमें प्रतिदिन श्रीमद्भगवद्गीता के 15वें अध्याय का पाठ, श्रीविग्रहों के समक्ष घृत-दीप अर्पित करना, पवित्र नदियों में स्नान करना तथा अतिरिक्त भक्ति-साधनाओं में संलग्न होना सम्मिलित है। इन साधनाओं के माध्यम से भक्त आध्यात्मिक सामर्थ्य, अन्तःकरण-शुद्धि तथा अपनी भक्ति-यात्रा में नवीन उत्साह और प्रगति प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।

वरिष्ठ भक्तों का आगमन
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

पुरुषोत्तम मास अनेक वरिष्ठ भक्तों के पावन आगमन से और भी अधिक पवित्र एवं मंगलमय बन गया। इनमें इस्कॉन जुहू से पधारे परम आदरणीय श्रीमान देवकीनन्दन प्रभु भी सम्मिलित थे, जो जी.बी.सी. के सक्रिय सदस्य हैं तथा अपने व्यापक नेतृत्व एवं प्रचार-सेवा के लिए विख्यात हैं। इस्कॉन पुणे से श्रीमान राधेश्याम प्रभु का भी आगमन हुआ, जो अपने प्रेरणादायक उपदेशों, साहित्यिक योगदानों तथा आध्यात्मिक प्रसार के प्रयत्नों हेतु व्यापक रूप से सम्मानित हैं। यद्यपि उनका प्रवास अल्पकालिक था, तथापि भक्तगण उनके दर्शन प्राप्त कर अपने को

Free Prasadam & Book Distribution Seva
(ISKCON, Punjabi Bagh)

A new outreach initiative was recently launched at Guru Gobind Singh Hospital on the invitation of Dr. Satyendra Kumar, Medical Superintendent of the hospital. On its very first day, devotees distributed over 400 plates of nutritious khichdi prasadam in eco-friendly leaf bowls, providing much-needed nourishment to patients and attendants. The program was further enriched by the chanting of the Hare Krishna maha-mantra and the display of Srila Prabhupada's books, including Bhagavad-gita As It Is. The initiative received an enthusiastic response from hospital staff, patients, and visitors, with authorities expressing their desire for the seva to continue regularly as a source of both physical and spiritual nourishment.

Head of IGF speaks at seminar in Noida (17th May)
(IGF, ISKCON East of Kailash)

On a Sunday evening, H.G. Urmila Mataji, Head of IGF East of Kailash, addressed a gathering of over 200 young women

अत्यन्त सौभाग्यशाली अनुभव कर रहे थे। ऐसे उच्चकोटि के वैष्णवों की उपस्थिति ने सम्पूर्ण वातावरण को और अधिक आध्यात्मिक एवं दिव्य बना दिया तथा विश्वव्यापी भक्ति-समुदाय की शक्ति, एकता और सौहार्द का मंगलमय स्मरण कराया।

निःशुल्क प्रसाद एवं ग्रन्थ वितरण सेवा
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

गुरु गोबिन्द सिंह चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. सत्येन्द्र कुमार जी के आमंत्रण पर, हाल ही में जन-संपर्क की एक नवीन पहल का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस ही, भक्तों द्वारा पर्यावरण-अनुकूल पत्तलों में 400 से अधिक थालियाँ पौष्टिक खिचड़ी-प्रसाद वितरित की गईं, जिससे रोगियों एवं उनके परिचारकों को अत्यन्त आवश्यक पोषण प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम को श्री हरे कृष्ण महामन्त्र के संकीर्तन तथा भगवद्गीता यथारूप सहित श्रील प्रभुपाद के ग्रन्थों के प्रदर्शन द्वारा और भी समृद्ध बनाया गया। चिकित्सालय के कर्मचारियों, रोगियों तथा आगन्तुकों ने इस सेवा को अत्यन्त उत्साहपूर्वक स्वीकार किया। चिकित्सालय के अधिकारियों ने भी यह अभिलाषा व्यक्त की कि यह सेवा नियमित रूप से चलती रहे, जिससे जनसामान्य को शारीरिक एवं आध्यात्मिक—दोनों प्रकार का पोषण प्राप्त हो सके।

नोएडा की संगोष्ठी में आईजीएफ प्रमुख का उद्बोधन (17 मई)
(आईजीएफ, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश)

आईजीएफ ईस्ट ऑफ कैलाश की प्रमुख श्रीमती उर्मिला माताजी ने इस्कॉन नोएडा के सभागार में रविवार सायंकाल, आयोजित वार्षिक कन्या कार्यक्रम "स्वर्णिमा" में 200 से अधिक युवतियों के समक्ष उद्बोधन दिया। मुख्य वक्ता के रूप में उन्होंने "चिन्ताग्रस्त युवती का युग" विषय पर गहन विचारोत्तेजक प्रस्तुति दी, जो वर्तमान समय की दृष्टि से अत्यन्त प्रासंगिक है। व्यावहारिक अनुभव तथा आध्यात्मिक ज्ञान—दोनों के आधार पर माताजी ने उन चुनौतियों का विश्लेषण किया जिनका सामना आधुनिक महिलाएँ विविध दायित्वों एवं अपेक्षाओं का निर्वाह करते समय करती हैं। उन्होंने महत्त्वाकांक्षा, संबंधों, भावनाओं तथा सामाजिक अपेक्षाओं से उत्पन्न होने वाले दबावों पर गहन प्रकाश डाला। साथ ही, उन्होंने उन आध्यात्मिक सिद्धान्तों को भी रेखांकित किया जो जीवन में संतुलन, धैर्यशीलता तथा आन्तरिक शान्ति के विकास में सहायक हो सकते हैं।

कला के माध्यम से भक्ति की अभिव्यक्ति
(इस्कॉन बालिका मँच, पंजाबी बाग)

चन्दन यात्रा के शुभ मास में भक्तगण अत्यन्त सुन्दर भक्तिभाव के साथ एकत्रित हुए और श्री श्री राधा-राधिका रमण, श्री श्री कृष्ण-बलराम तथा भगवान् जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी की सेवा में अर्पित

at the auditorium in ISKCON Noida during "Swarnima", the annual girls' program. As the guest speaker, she delivered a thought-provoking presentation on "The Anxious Girl's Era," a topic of great relevance in today's world. Drawing from both practical experience and spiritual wisdom, Mataji explored the challenges faced by modern women as they navigate multiple responsibilities and expectations. She offered deep insights into the pressures of ambition, relationships, emotions, and societal demands, while highlighting spiritual principles that can help cultivate balance, resilience, and inner peace.

Crafting Devotion Through Art
(ISKCON Girls Forum, Punjabi Bagh)

During the auspicious month of Chandan Yatra, devotees came together in a wonderful spirit of devotion to prepare intricate jewellery and mukut offerings for Their Lordships — Sri Sri Radha Radhika Raman, Sri Sri Krishna Balaram, and Lord Jagannath, Baladeva, and Subhadra Maharani. Around 20 dedicated volunteers, including many young girls, lovingly handcrafted these ornaments using dry fruits, seeds, and whole spices. Through their creativity and devotion, these simple natural ingredients were transformed into beautiful offerings for the pleasure of the Lord. The seva demanded remarkable dedication, with devotees spending several hours each day over a period of two weeks to carefully design and assemble each piece. Throughout the process, the devotees worked together amidst kirtan, joyful association, and a shared desire to serve. More than an artistic endeavour, the project became a heartfelt expression of bhakti, reminding everyone involved that when sincere effort is offered with love and devotion, even the simplest materials can become extraordinary offerings to the Lord.

Mango Festival at ISKCON (24th May)
(ISKCON, East of Kailash)

Scriptures teach that the very best should be offered to Their Lordships, for They are the supreme proprietors and

करने हेतु अत्यन्त सूक्ष्म एवं आकर्षक आभूषणों तथा मुकुटों का निर्माण किया। लगभग 20 समर्पित स्वयंसेवकों, जिनमें अनेक युवा बालिकाएँ भी सम्मिलित थीं, ने सूखे मेवे, बीजों तथा खड़े (साबुत) मसालों का उपयोग करके इन अलंकारों को प्रेमपूर्वक अपने हाथों से निर्मित किया। अपनी सृजनशीलता एवं भक्ति के माध्यम से उन्होंने इन साधारण प्राकृतिक सामग्रियों को भगवान् के आनन्द हेतु सुन्दर अर्पणों में परिवर्तित कर दिया। इस सेवा के लिए असाधारण समर्पण की आवश्यकता थी, क्योंकि प्रत्येक अलंकार की सावधानीपूर्वक रचना एवं संयोजन के लिए भक्तगणों ने दो सप्ताह की अवधि तक प्रतिदिन अनेक घण्टे समर्पित किए। सम्पूर्ण प्रक्रिया के दौरान भक्तगण कीर्तन, आनन्दमयी संगति तथा सेवा की सामूहिक भावना के मध्य मिलकर कार्य करते रहे। यह केवल एक कलात्मक प्रयास नहीं था, अपितु भक्ति की हृदयस्पर्शी अभिव्यक्ति बन गया, जिसने इसमें सम्मिलित प्रत्येक व्यक्ति को यह स्मरण कराया कि जब प्रेम एवं भक्ति के साथ भगवान् को निष्कपट प्रयास,समर्पित किया जाता है, तब अत्यन्त साधारण सामग्री भी भगवान् के लिए असाधारण अर्पण बन जाती है।

इस्कॉन में आम्र महोत्सव (24 मई)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

शास्त्रों में उपदेश दिया गया है कि भगवान् को सर्वश्रेष्ठ वस्तु अर्पित करनी चाहिए, क्योंकि वे समस्त सृष्टि के परम स्वामी तथा परम भोक्ता हैं। ग्रीष्म ऋतु में फलों के राजा आम की प्रचुरता होने पर, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश के भक्तों ने विग्रहों के श्रीचरणों में भव्य आम-समर्पण के माध्यम से अपनी भक्ति व्यक्त की। भगवान् की प्रसन्नता हेतु 5,000 किलोग्राम आम अर्पित किए गए। वेदी को अत्यन्त मनोहर ढंग से आमों द्वारा सजाया गया था। टोकरियों में सजे आम, लटकती हुई आम-मालाएँ, बन्दनवार तथा विविध कलात्मक सज्जाओं ने सम्पूर्ण वातावरण को उत्सवमय एवं आकर्षक बना दिया। फलों की स्वर्णिम आभा तथा मधुर सुगन्ध से मन्दिर महक उठा, जिससे अवसर का दिव्य भाव और भी

enjoyers of everything. As the summer season brings an abundance of mangoes—the king of fruits—devotees at ISKCON East of Kailash expressed their devotion through a grand mango offering to the deities. A remarkable 5,000 kilograms of mangoes were offered for the pleasure of the Lord. The altar was beautifully decorated with mangoes arranged in baskets, hanging bunches, festoons, and various artistic displays, creating a vibrant and festive atmosphere. The rich golden hues and sweet fragrance of the fruit filled the temple, enhancing the transcendental mood of the occasion. The celebration was further enlivened by enthusiastic kirtan and congregational chanting. As devotees sang and danced before the Lord, their faces reflected the joy that comes from heartfelt service. The festival served as a beautiful reminder that offering the best of what nature provides, with sincerity and devotion, brings great pleasure to the Lord and spiritual happiness to His devotees.

प्रगाढ़ हो उठा। उत्साहपूर्ण कीर्तन तथा सामूहिक हरिनाम-संकीर्तन ने इस उत्सव को और अधिक जीवंत बना दिया। जब भक्तगण भगवान् के समक्ष गान एवं नृत्य कर रहे थे, तब उनके मुखमण्डलों पर निष्कपट सेवा से प्राप्त होने वाला आनन्द स्पष्ट झलक रहा था। यह महोत्सव इस सत्य का सुन्दर स्मरण कराता है कि प्रकृति द्वारा प्रदत्त सर्वोत्तम वस्तुओं को श्रद्धा, निष्ठा एवं भक्ति के साथ भगवान् को अर्पित करने से भगवान् प्रसन्न होते हैं तथा उनके भक्तों को आध्यात्मिक आनन्द की प्राप्ति होती है।

The Importance of Asking Questions and Clearing Doubts in Spiritual Life

Spiritual life begins with faith, but it matures through understanding. While faith inspires us to take the first steps on the path of devotion, genuine growth requires thoughtful inquiry and a sincere desire to understand spiritual truths more deeply. For this reason, asking questions and clearing doubts play an essential role in spiritual advancement.

Significantly, many of the world's great spiritual scriptures are presented in the form of questions and answers. The Bhagavad-gita begins when Arjuna becomes overwhelmed by confusion and openly presents his doubts to Lord Krishna. Rather than dismissing his questions, Krishna patiently answers them, transforming Arjuna's uncertainty into clarity and conviction.

Similarly, the Srimad-Bhagavatam unfolds through a series of profound dialogues. Maharaja Pariksit questions Sukadeva Gosvami on the banks of the Ganges, the sages at Naimisaranya inquire from Suta Gosvami, Vidura questions Maitreya Muni, and countless other discussions illuminate the path of spiritual realization. The question-and-answer format found throughout these sacred texts highlights the importance of sincere inquiry in spiritual life.

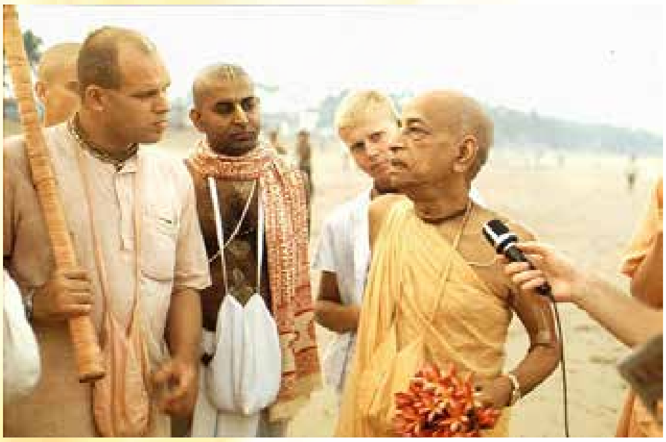

Srila Prabhupada frequently emphasized the instruction of Bhagavad-gita 4.34, wherein Krishna advises one to approach a spiritual master with humility, service, and relevant questions. Questions demonstrate genuine eagerness to learn and help transform information into realization. They enable spiritual knowledge to move from the intellect into the heart.

Sometimes devotees hesitate to ask questions, fearing that their doubts indicate weak faith or insufficient knowledge. In reality, sincere questions are often signs of spiritual seriousness. Doubts that remain unaddressed can gradually create confusion and weaken one's enthusiasm. When discussed with senior devotees and examined through the lens of scripture, however, those same doubts can become stepping stones toward deeper faith.

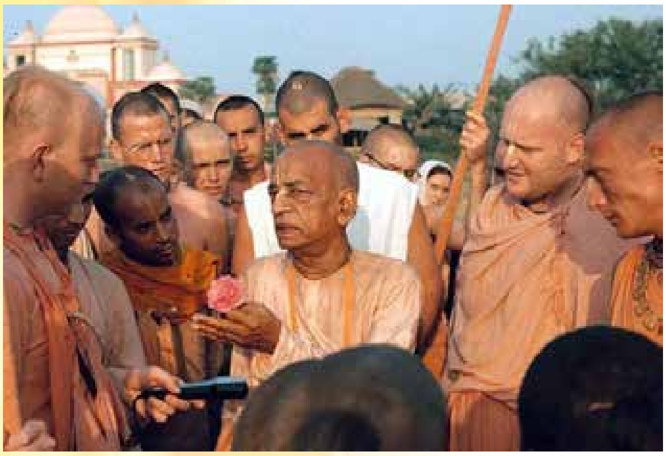

Of course, the mood in which questions are asked is equally important. Spiritual inquiry is not meant for argument, criticism, or intellectual superiority. Rather, it is an expression of humility and a desire to understand truth. When questions are asked with sincerity and respect, they attract guidance and open the door to

genuine realization.

A thriving spiritual community encourages thoughtful discussion and honest inquiry. Often, one devotee's question benefits many others who may have had similar uncertainties but were reluctant to speak. Through hearing, questioning, and discussing Krishna consciousness together, devotees strengthen one another's understanding and conviction.

Spiritual life is a lifelong journey of learning. As our practice deepens, new realizations arise, and with them come new questions. This is natural and healthy. The great scriptures themselves demonstrate that spiritual progress is nourished by sincere inquiry.

By regularly studying scripture, associating with devotees, and asking thoughtful questions, we strengthen our understanding and deepen our relationship with Krishna. As the examples of Arjuna, Maharaja Pariksit, and countless other seekers show, honest questions asked in the right spirit can transform confusion into wisdom, doubt into faith, and knowledge into realization. Indeed, the wisdom of the Vedic tradition has been preserved and transmitted through generations because sincere seekers were willing to ask questions and enlightened souls were willing to answer them.

Upcoming events:

आगामी कार्यक्रम

Online Summer Camp 2026 for Kids Announced by Hare Krishna Sunday School
(ISKCON, Punjabi Bagh)

The Hare Krishna Sunday School at ISKCON Punjabi Bagh has announced an exciting Free Online Summer Camp 2026 for children aged 7 to 14 years. With the engaging theme of "The 12 Great Mahajans from the Srimad Bhagavatam," the camp promises 12 days of fun, learning, and spiritual inspiration. Scheduled from 8th to 20th June 2026 (excluding Sundays), the sessions will be held daily from 4:00 PM to 5:00 PM via Zoom. The camp will feature a lively mix of stories, games, creative activities, quizzes, and interactive sessions, helping children connect with timeless wisdom in an enjoyable way. The initiative aims to provide a joyful and meaningful summer experience, encouraging children to explore spiritual values in a fun and engaging environment. Registrations can be made by filling the form - https://forms.gle/dkQMwKtx2DTT7vpS8

Pandava Nirjala Ekadashi (25th June)

Ekadashi has been described by Thakura Bhaktivinoda as 'bhakti janani'. Observing it, purifies, burns sins of many

हरे कृष्ण संडे स्कूल द्वारा बच्चों हेतु ऑनलाइन ग्रीष्मकालीन शिविर 2026 की घोषणा
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग के हरे कृष्ण संडे स्कूल ने 7 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों हेतु एक आकर्षक निःशुल्क ऑनलाइन ग्रीष्मकालीन शिविर 2026 की घोषणा की है। "श्रीमद्भागवत के द्वादश महाजन" विषय पर आधारित यह शिविर बच्चों के लिए 12 दिनों तक आनन्द, ज्ञानार्जन तथा आध्यात्मिक प्रेरणा का अद्भुत अवसर प्रदान करेगा। यह शिविर 8 जून से 20 जून 2026 तक (रविवारों को छोड़कर) आयोजित किया जाएगा। सभी सत्र प्रतिदिन सायं 4:00 बजे से 5:00 बजे तक ज़ूम के माध्यम से संपन्न होंगे। शिविर में कथाएँ, क्रीड़ाएँ, सृजनात्मक गतिविधियाँ, प्रश्नोत्तरी तथा सहभागितापूर्ण सत्रों का समावेश होगा, जिससे बच्चे सहज एवं रोचक ढंग से सनातन ज्ञान से जुड़ सकेंगे। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को आनन्दमय एवं सार्थक ग्रीष्मकालीन अनुभव प्रदान करना तथा उन्हें मनोरंजक वातावरण में आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति प्रेरित करना है।

पंजीकरण हेतु प्रपत्र भरें: https://forms.gle/dkQMwKtx2DTT7vpS8

पाण्डव निर्जला एकादशी (25 जून)

एकादशी को ठाकुर भक्ति-विनोद ने 'भक्ति-जननी' कहा है। इसका पालन करने से मनुष्य पवित्र होता है, अनेक जन्मों के पाप भस्म हो जाते हैं तथा हमारे हृदय में स्थित भक्ति-लता-बीज का पोषण होता है। ग्रीष्म ऋतु के चरम काल में आने वाली पाण्डव निर्जला एकादशी समस्त एकादशियों में, ऐसी मानी गई है, जिसके पालन से वर्ष की सभी 24 एकादशियों के पालन के समान फल प्राप्त होता है। यह उत्सव अधिक नाम-जप, श्रवण तथा स्मरण के साथ मनाया जाएगा। भक्तजन अन्न ही नहीं, अपितु जल का भी त्याग करेंगे और सम्पूर्ण दिवस सेवा में व्यतीत करेंगे।

lifetimes and nourishes the bhakti lata beej in our hearts. Amongst the Ekadashi, Pandava Nirjala Ekadashi observed during the peak summer season, is said to be one, which yields the fruits of observing all 24 Ekadashis of the year. This festival will be observed with increased chanting, hearing and remembrance. Devotees will abstain for food and even water, spending the day in service.

Panihati Cida Dahi Festival (27th June)

Raghunatha Dasa Goswami was the son of a wealthy zamindar. He was yearning to join Mahaprabhu to become a part of His Sankirtana Movement. Somehow, he had not shown an inclination to seek the favour of Lord Nityananda. This pastime was manifested to remind devotees of the potency of the Adiguru: Lord Nityananda. Without His favour Chaitanya Mahaprabhu cannot be achieved. Raghunatha Dasa Goswami was made to organise a lavish cida dahi festival, for many villages at Panihati. Nityananda Prabhu blessed Raghunatha Dasa Goswami, following which He could gain the association, instruction and service in the movement of Gauranga. This festival will be celebrated with the preparation of various flavours of cida dahi, offered lovingly, with devotion.

Snana Yatra (29th June)

The appearance of Lord Jagannatha, along with His siblings; Baladeva and Subhadra, is celebrated as Snana Yatra in Puri or Purushottama Kshetra. Every year Their Lordships are given a lavish bath and fed sumptuous bhoga, as is customary in Puri. This year too an elaborate festival will be conducted, at Chhatarpur, where hundreds of devotees will attend the Snana Yatra celebration, participating in kirtan, chanting and other festivities.

पाणिहाटी चिड़ा-दधि महोत्सव (27 जून)

रघुनाथ दास गोस्वामी एक समृद्ध ज़मींदार के पुत्र थे। वे महाप्रभु के संकीर्तन आन्दोलन का अंग बनने हेतु, उनके श्रीचरणों में पहुँचने हेतु अत्यन्त उत्कण्ठित थे। किसी कारणवश उन्होंने अभी तक भगवान् नित्यानन्द के अनुग्रह की प्राप्ति की ओर विशेष रुचि नहीं दिखाई थी। यह लीला भक्तों को आदिगुरु भगवान् नित्यानन्द की महाशक्ति का स्मरण कराने हेतु प्रकट हुई। उनके अनुग्रह के बिना श्रीचैतन्य महाप्रभु की प्राप्ति सम्भव नहीं है।

रघुनाथ दास गोस्वामी को पाणिहाटी में अनेक ग्रामों के लोगों के लिए भव्य चिड़ा-दधि महोत्सव का आयोजन करने का आदेश दिया गया। भगवान् नित्यानन्द ने रघुनाथ दास गोस्वामी को अपना आशीर्वाद प्रदान किया, जिसके उपरान्त उन्हें श्रीगौरांग महाप्रभु के आन्दोलन में संगति, शिक्षाएँ तथा सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस महोत्सव का आयोजन विविध प्रकार के चिड़ा-दधि व्यंजनों की तैयारी के साथ किया जाएगा, जिन्हें प्रेम और भक्ति सहित भगवान् को अर्पित किया जाएगा।

स्नान-यात्रा (29 जून)

भगवान् श्रीजगन्नाथ के अपने भ्राता श्रीबलदेव तथा भगिनी श्रीसुभद्रा सहित प्राकट्य-महोत्सव को पुरी अथवा पुरुषोत्तम-क्षेत्र में स्नान-यात्रा के रूप में मनाया जाता है। प्रतिवर्ष परम्परानुसार उनके श्रीविग्रहों को अत्यन्त वैभवपूर्ण स्नान (अभिषेक) कराया जाता है तथा उन्हें विविध प्रकार के समृद्ध भोग अर्पित किए जाते हैं। इस वर्ष भी छतरपुर में एक भव्य महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सैकड़ों भक्तगण स्नान-यात्रा उत्सव में सम्मिलित होकर कीर्तन, नाम-संकीर्तन तथा अन्य उत्सवीय कार्यक्रमों में सहभागिता करेंगे।

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi
Chirag Delhi, New Delhi-110017
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village
Okhla, Phase – I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir
(Panghat wala), Gurudwara Road
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road
(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Sriniwas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri,
New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika
Sangam Vihar, New Delhi-110080,
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,
New Delhi -110001, Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave,
New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.
C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park,
Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram,
New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market,
New Delhi – 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

Sant Kanwar Ram Mandir-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road,
Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MANDIR-New Colony, Gurugram,
Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center
Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan,
Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Katwaria Sarai - F 117, Basement, Near well No 1, Katwaria Sarai
New Delhi 110016. Contact: +91 75033 48819, Youth program - Every Friday 7.30 PM. Family program - Every Saturday 7.30 PM

Ladosarai - F-6, Hare Krishna wali Gali, Near Panchayat Bhawan, Ladosarai,
New Delhi-110030. Contact No.: 7011003974, 9888815430, 9717600814. Youth Program: Tuesday 07:30 PM; Congregation Program: Sunday- 5:00 PM

Mehrauli - Opposite Agarwal Dharmashala, Mehta chowk,
Ward no 8, Mehrauli , New Delhi 110030.
Contact: 9711862441, 9911399960, 9810565805.
Congregation Program: Every Saturday, 4-6 PM;
Youth Program: Every Sunday, 4-5PM

Chattarpur - Nitin Niwas H. No. 133, Chattarpur, Near Tyagi Chaupal,
Near Axis Bank ATM, South Delhi, 110074,
Contact: 9910290149
Program: Every Sunday 5.30PM To 7.30PM

Aya Nagar 1- Shiv Hansa Complex, Phase VI, G Block, Bandh Road,
Opp Max Gain Shopping Centre, Aya Nagar.
Contact: 9953891845,8860681843, Program: Every Sunday, 6 To 8 PM

Aya Nagar 2- Opp MCD School, Near Easy Day, Main Road, Aya Nagar, Delhi.
Contact: 9899729858, 8368656274
Program: Every Sunday 4 To 6 PM

Malviya Nagar - 90/77, Basement, Behind Malviya Hospital, Malviya Nagar.
Contact No. 8097263066, Program: Every Saturday 6PM Onwards

Khirki Extension - JG-35, Near Krishna Temple, Inside Left Street, Khirki Extension. Contact No. +91 98911 27996
Program: Every Sunday 5 PM Onwards

Kishan Garh - H.No.602, Ward No.3, Bhuiyan Chowk ,Gaushala Road
Kishangarh,Vasant Kunj. Contact No- 8447358738
Every Sunday, 3:00 PM onwards

Sangam Vihar - D-170, Gali no. 4, Hare Krishna Centre Barsana Dham,
Nearby Sona Sweets, Sangam Vihar, New Delhi-110080.
Contact number:- 8851286364, 8447042470, Every Saturday; 6:00 PM-8:00PM;
Every Friday and Sunday; 5:30-7:00AM onwards

East Of Kailash - 194 FF Amritpuri Garhi, East of Kailash, Near MCD School,
New Delhi-110065. Contact: 9811347826, 9990503548.
Youth Program:- Saturday 7:00 PM

Ber Sarai - House number -2, Near Government Dispensary, BerSarai, New Delhi,
Contact - 8882347935,7065835531
Youth Program : Monday 7:00PM, Congregation Program : Saturday 4:00PM

Vasant Kunj - B100 (Basement), B Block, Mother Dairy, Vasant Kunj Enclave,
New Delhi-110070. Contact No.: 8860246574, 8879005088.
Every Sunday- 04:00 PM

Saket - C-109, Ground Floor, Near Mother Dairy, Paryavaran Complex, Saket,
New Delhi-110030, Contact: 8287713680, 8130505488, 9667427986
Youth Program: Saturday 07:00 PM; Congregation Program: Friday 07:00 PM

Tigri Extension - C-10 Hare Krishna Centre, Maha Shiv Shakti Mandir,
Tigri Extension, New Delhi-110080. Contact: 8851286364, 9810433117
Every Sunday, 11:00am - 1:00PM

Ghitorni - House no. 270, Balmiki choupal, Near Kali Mata Mandir, Ghitorni,
New Delhi-1100030, Contact No. -9975756916,7065835531
Youth Program- Thursday-7:00PM

Sultanpur - 2nd floor,Waliya house,near Gurudwara, Sultanpur, Delhi 110030.
Contact-9667478077. Youth program-Sunday 7:00 PM;
Congregation Program-Friday 5:00 PM

Prahlad Pur - A-132, DDA Flats, Prahladpur New Delhi 110044
Contact: 9999464382, 9650543321, Every Sunday 04:00 PM

Paharganj - 1st Floor, Radha Krishna Mandir, Near Jain Mandir, Mantola,
Paharganj, Contact No. 9818188182; 9810224106
Program: Every Saturday 7:00 To 8:00 PM

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vigraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666
- For ISKCON East Delhi, Please contact @ 98115 10090

International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65
Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com
Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-43618748, 43711307, 7042836300

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg, West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwarka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075 Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/ Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road, Badshahpur, Gurugram
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan, C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,
Phone : 0129-4145231, Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh, Haryana - 124507,
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road, Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969, Email: iskcon.rohini@gmail.com

ISKCON Gurugram (Badshahpur) - Sudarshan Dham, Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika Business park), Gurugram, Haryana 122001
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON Ghaziabad - 11, ISKCON CHOWK R, 35, Hare Krishna Marg, Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002
Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

ISKCON Chhattarpur - Village Near Shani Dham Mandir, Asola, Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074
Phone: 099537 40668

ISKCON Gurugram - ISKCON, Plot No 0, Near Delhi Public School, Sector-45, Gurugram, Haryana-122003
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342
Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

Sri Sri Radha-Vallabh Temple Chippiwara - 2439, Chippiwara, Chah Rahat, Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006
Phone: 08810633305

Sri Sri Radha Govind Dev Temple - Opposite NTPC Office, A-5, Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar Pradesh-201301
Phone: 095604 76959

ISKCON East Delhi - Hare Krishna Center 12/115 Geeta Colony, Delhi-110031
Phone: +91 98115 10090, Email: iskcon.del@gmail.com

We hope you liked the newsletter. Please send your feedback/comments/suggestions at **delhinews108@gmail.com**